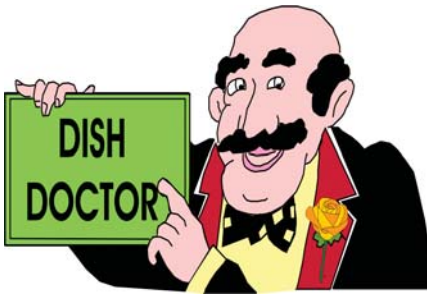

Ask us any questions or problems faced by you in the course of your business. Our DISH DOCTOR will try and answer them in the best way possible, in the simplest terms, avoiding the unnecessary use of technical terms where possible. The service is available free to our readers and subscribers.

Send Your Queries To: Dish Doctor, 312/313, A Wing,3rd Floor, Dynasty Business Park, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai – 400059. or Email: manoj.madhavan@nm-india.com. Now you can WhatsApp Your Dish Doctor Queries To: +91-91082 32956

BROADCAST & CABLE EQUIPMENTS

Q: Indian broadcasting & cable equipment imports is to the tune of USD 20 billion. What is the potential for local manufacturers for broadcast & cable equipment?

Junaid Khan, Broadcast & Cable Industry Professional, Maharashtra.

Ans.: Broadcast and cable equipment imports have remained steady around USD fifteen thousand million over all the three years from FY 2017-18. The yearly imports amount to more than USD twenty billion makes for a compelling case to examine the extent to which such demand can be met through domestic production.

Distinct categories of equipment deployed in television distribution networks have different procurement cycles. For instance, the headend equipment is generally procured at the time of roll-out. Further procurement, if any, occurs only when major expansions or upgrades are undertaken. Whereas Consumer Premise Equipment are required on a regular and recurring basis. Several factors drive the demand of STBs, such as

i) extension of television services to uncovered TV households;
ii) upgrade from SD to HD;
iii) replacement of boxes completing useful life;
iv) launch of converged services through hybrid STBs.

प्रसारण और केबल उपकरण

प्रश्नः भारतीय प्रसारण उपकरण का आयात 20 अरब अमेरिकी डॉलर का है। प्रसारण उपकरण के लिए स्थानीय निर्माताओं के लिए क्या संभावनायें हैं? और निर्यात बाजारों के लिए टेलीविजन प्रसारण उपकरण निर्यात कर सकते हैं?

जुनैद खान, प्रसारण और केबल उद्योग पेशवर, महाराष्ट्र

उत्तरः वित्तीवर्ष **2017–18** से सभी तीन वर्षों में प्रसारण उपकरण का आयात लगभग पंद्रह हजार मिलियन अमेरिकी डॉलर के आसपास स्थिर रहा है। बीस मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक की वार्षिक आयात राशि इस बात की जांच करने के लिए एक सम्मोहक मामला बनाती है कि घरेलू उत्पादन के माध्यम से ऐसी मांग को किस हद तक पूरा किया जा सकता है।

टेलीविजन वितरण नेटवर्क में तैनात उपकरणों की विशिष्ट श्रेणियों में अलग–अलग खरीद चक्र होते हैं। उदाहरण के लिए हेडएंड उपकरण, आमतौर पर रोल आउट के समय खरीदे जाते हैं। आगे की खरीद, यदि कोई हो, तभी होती है जब बड़े विस्तार या अपडेट किये जाते हैं। जबकि उपभोक्ता परिसर उपकरण की नियमित और आवर्ती आधार पर आवश्यकता होती है। कई कारण एसटीबी की मांग को आगे बढ़ाते हैं, जैसे

i) टेलीविजन सेवाओं का बिना परिवार वाले परिवारों तक विस्तार,
ii) एसडी से एचडी में अपग्रेड,
iii) बॉक्सों का कार्यकाल पूरा होने के बाद उसके स्थान पर नया बॉक्स,
iv) हाइब्रिड एसटीबी के माध्यम से कन्वर्जस सेवाओं का शुभारंभ।

This can be gauged from the estimated annual demand of 26 million STBs. The transmission equipment procurements are likely to have a variable frequency of purchase, depending upon the network layout and business plan of the distributor. Upgrading the trunk and branch cable may be required at a lesser frequency than the recurring need for the drop cables to TV homes. Similarly, the need for EDFA, RF amplifiers, optical nodes, etc., will depend upon the network topography.

The Indian Government attaches high priority to electronics manufacturing. Under the flagship initiatives – 'Make in India' and 'Digital India', the government has put special focus on transforming the country into a global manufacturing hub. Electronics manufacturing is one of the main priority areas identified under the initiatives.

At a broad level, some of the major concerns pertain to the quality of the final products, cost of the products, and the scale of production. Further, the lack of adequate Research and Development (R&D) in the sector is another area of concern for local production of television broadcasting equipment. These factors hamper the demand for locally manufactured equipment. Without adequate demand, the scaling up of production of local equipment would not be incentivized, which in turn would not incentivize R&D in this sector. The need for a strong R&D ecosystem is flagged as one of the key factors for promoting local manufacturing in the broadcasting sector. ■

इसका **26** मिलियन एसटीबी की अनुमानित वार्षिक मांग से लगाया जा सकता है। वितरक के नेटवर्क लेआउट और व्यवसाय योजना के आधार पर ट्रांसमिशन उपकरण की खरीद में एक परिवर्तनीय उतार–चढ़ाव होने की संभावना है। ट्रांसमिशन नेटवर्क की ट्री संरचना का जिक्र करते हुए, ट्रंक और ब्रांच केबल को अपग्रेड करने की आवश्यकता टीवी घरों में ड्रॉप केबल की आवर्ति आवश्यकता की तुलना में कम फ्रीक्वेंसी पर हो सकती है। इसी तरह ईडीएफए, आरएफ एमप्लिफायरों, ऑप्टिकल नोड्स आदि की आवश्यकता नेटवर्क के स्थलाकृति पर निर्भर करेगी।

भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को उच्च प्राथमिकता देती है। प्रमुख पहलों – 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' के तहत सरकार ने देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलने पर विशेष ध्यान दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पहल के तहत पहचाने जाने वाले मुख्य प्राथमिकताओं वाले क्षेत्रों में से एक है।

व्यापक स्तर पर प्रमुख सरोकार अंतिम उत्पादों की गुणवत्ता, उत्पादों की लागत और उत्पादन के पैमाने से संबंधित है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में पर्याप्त अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) की कमी टेलीविजन प्रसारण उपकरणों के स्थानीय उत्पाद के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र है। ये कारक स्थानीय रूप से निर्मित उपकरणों की मांग में बाधा डालते हैं। पर्याप्त मांग के बिना, स्थानीय उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा नहीं दिया जायेगा, जो बदले में इस क्षेत्र में अनुसंधान व विकास को प्रोत्साहित नहीं करेगा। प्रसारण क्षेत्र में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत आर एंड डी पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता को प्रमुख कारकों में से एक के रूप में चिन्हित किया गया है। ■

INDIA'S MOST RESPECTED TRADE MAGAZINE FOR THE CABLE TV, BROADBAND, IPTV & SATELLITE INDUSTRY

SATELLITE & Cable TV

- In-depth & Unbiased Market Information
- Technology Breakthroughs
- Reaches More Than 40,000 Personnel Across The Satellite & Cable TV Industry every month

... You Know What You Are Doing
But Nobody Else Does

ADVERTISE NOW !

Contact:
Mob.: +91-7021850198
Email: scat.sales@nm-india.com